



आज भगवान विरसा पर पुष्पक अर्पित करेंगे सीएम

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 9 जून को भगवान विरसा मुंदा की पुण्यतिथि के मौके पर दिन के 4:40 बजे विरसा बैंक स्थित भगवान विरसा मुंदा की प्रतिष्ठा पर पुष्पक अर्पण करेंगे। उसके बाद शाम 5:15 बजे कोकर स्थित समाधि स्थल पर पुष्पक अर्पण करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की दिविति खटाव

लंदन। ओवल में चल रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल में आस्ट्रेलिया के 469 रन के खिलाफ भारत की पारी लड़खड़ा गयी। दो दिन के खेल के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 318 रन पीछे है और उसके पांच विकेट भी गिर चुके हैं। भारत पर फिर हार का खतरा मंडराने लगा है। टीम डिड्या का टाप अर्डर बड़ा स्कोर खड़ा करने में फेल रहा।

झारखंड की बेटी दीपिका बनी प्लेयर ऑफ द नीच

रांची। जापान में खेले जा रहे महिला जुनियर एशिया कप हाँकी प्रतियोगिता में भारतीय टीम वाइंडी टाईपे को 11-0 से पराजित कर सेमीफाइनल में पहुंच गयी। टीम में सिमिङ्गा की दीपिका सोरेंगा, घम्हामा और रोपानी कुमारी शमिल हैं। जबरदस्त प्रदर्शन को ले कर दीपिका सोरेंगा प्लेयर ऑफ द मैट घोषित किया गया।

धनबाद की फिरोजा का नदीना ने निधन

रांची। धनबाद की हजरन फिरोजा खानून (62) का गुरुराह तड़के 4 बजे मरीन स्थित अल-हायत हारिपटल में निधन हो गया। फिर पुरुष भद्रियाका, छोटानगरी, धनबाद की रहनेवाली फिरोजा की तबीयत 4 जून से बिंदी गयी थी। वह अपने पांच में सूर आलम के साथ हजयात्रा पर आयी थी। यह जानकारी शाहनवाज कुरेशी, खादिमुल हुज्जाज (मदीना, सऊदी अरब) ने दी।

खूंटी में हाथी ने एक को पटक कर मार डाला

खूंटी। जरियागढ़ थाना के रेहडगड़ा पुरुस्तोनी के पास गुरुवार की रात लगभग आठ बजे एक जगती हाथी ने मरीह दास सुरीन (40) नामक एक ग्रामीण को सुड़ से उड़ाउ पटक दिया। ग्रामीर रुक्से से घायल सुरीन ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वह गुमता के बानों के डालाडी के रोजी गाव का रहने वाला था। यहां अपने मामा के घर रहकर मजदूरी करता था।

गोद्वा ने भीषण गर्भ पारा 45 डिग्री के पार गोद्वा।

गर्भ हवाओं के थांडे से पूरा झारखंड तप रहा है। गोद्वा जिले का पारा 45 डिग्री तक पहुंच गया है। इससे लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

वाहना आयुष्णण

सोना (विक्री) : ₹ 57,000 रु/10 ग्राम
चांदी : ₹ 76,000 रु/प्रति ग्राम

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मञ्च

सबकी बात सबके साथ



एक हफ्ते लेट ही सही, आखिर मानसून ने दे दी दस्तक, झारखंड-बिहार में जल्द होगी बारिश झामाझाम बारिश के साथ केरल पहुंचा मानसून

एजेंसी

नवी दिल्ली। एक हफ्ते के लेट-लौटीफी के बाद आखिरकार गुरुवार को केरल में मानसून ने दस्तक दे ही दी। मानसून के दस्तक के साथ ही वहां झामाझाम बारिश पूर्ह हो गयी। केरल में मानसून के दस्तक देने का ऐलान भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने गुरुवार को किया है। हालांकि, आईएमडी की मौसम पूर्वानुमान में यह कहा जा रहा था कि अरब सागर में विपर्याजी नामक चक्रवात का गंभीर चक्रवातीय तृफाना में तब्दील होने का असर मानसून पर भी पड़ेगा और मानसून अनेकों के लिए जारी रखा गया। वहां चारों दिनों के लिए जल्दी विपर्याजी नामक चक्रवात के अंतर्वर्तीकरण की अपेक्षा की जारी रखा गया।

बाद शुरुआत में मामूली बारिश होगी। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मौनसून आठ जून को केरल पहुंच गया है। इसके साथ ही, अब बिहार-झारखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एससीआर समेत उत्तर भारत में भी जल्द ही झामाझाम बारिश होने के आसार हैं। आईएमडी की मानें 10 जून तक मानसून महाराष्ट्र, पहुंच जायेगा। इसके बाद 15 जून को वह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार तक पहुंच जायेगा। 20 जून को मानसून गुजरात और आंतरिक इलाकों, एमपी के मध्य हिस्सों और उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर जायेगा। 25 जून तक दक्षिण पश्चिम

मौनसून हिमाचल, उत्तराखण्ड और उत्तरी गंभीर पहुंच जायेगा। वहां 30 जून को वह राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में प्रवेश कर जायेगा।

बंगल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा मानसून :

आईएमडी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि मानसून दक्षिण अरब

सागर के शेष हिस्सों और मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों तथा सूची लक्ष्यपूर्ण क्षेत्र, केरल के अधिकतर क्षेत्र, दक्षिण तमिलनाडु

15 से 18 तक झारखंड पहुंचने के आसार

रांची। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो रिपोर्ट सामान्य होने पर सात से दस दिनों के अंदर मानसून केरल से होते झारखंड में प्रवेश करता है। इस बार मानसून के एक साताह देरे से आने के कारण इस बार 15 जून से 18 जून तक बीच झारखंड में मौनसून की एंट्री होगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने झारखंड में 12 जून से हल्के से मध्यम बारिश की ओर साधारणी विज्ञान की सांभावना भी ब्यक्त की है। 10 जून तक राज्य के कुछ हिस्सों में लू की रिथित बनी रहेगी। वहां, कुछ इलाकों में दोपहर बाद बालू छाये रहेंगे, लेकिन इससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। वहां, 12 जून से 14 जून तक राज्य के उत्तरी पूर्वी और मध्य भागों में बारिश की जानकारी दी गयी है।

अमित अग्रवाल व दिलीप घोष को कोर्ट ने भेजा जेल

झड़ी के रिमांड आग्रह पर कोर्ट आज सुनायेगा फैसला



खबर मन्त्र व्याप

रांची। आर्मी लैंड घोटाले में गुरुवार को इडी कोर्ट ने कारोबारी अमित अग्रवाल और जगत बंधु ई इस्टर्ट के मालिक दिलीप घोष को न्यायिक हिस्सत में जेल भेज दिया है। दोनों की गुरुवार को कोर्ट में पेसी हुई थी। इडी ने कोर्ट से दोनों की पांच दिन की रिमांड कार्रवाई थी। इस मामले में इडी के बदलीले ने खुलासा करके कहा है कि पूर्व पौर्ण को न तो माफ किया जाएगा और न ही हम 9 मई की हिंसा ने खुली चेतावनी दी गई है। सेना ने एक बयान जारी करके कहा है कि पूर्व पौर्ण को न तो माफ किया जाएगा और न ही हम 9 मई की हिंसा ने खुली चेतावनी दी गई है। सेना ने एक बयान जारी करके कहा है कि पूर्व पौर्ण को न तो माफ किया जाएगा और न ही हम 9 मई की हिंसा ने खुली चेतावनी दी गई है। इस मामले में यह गम्भीर घोष को ईडी कोर्ट में पेसी की गुरुवार को कोर्ट से दोसरी बार भेज दिया गया है। इडी की गम्भीर घोष को न तो माफ किया जाएगा और न ही हम 9 मई की हिंसा ने खुली चेतावनी दी गई है। इस मामले में यह गम्भीर घोष को ईडी कोर्ट में पेसी की गुरुवार को कोर्ट से दोसरी बार भेज दिया गया है। इस मामले में यह गम्भीर घोष को न तो माफ किया जाएगा और न ही हम 9 मई की हिंसा ने खुली चेतावनी दी गई है।

और इसकी रिजिस्ट्री में जिक्र किया गया है। वहां, इस जमीन के बदले फर्जी मालिक प्रदीप बांगाची को 25 लाख रुपये दिये गये। रजिस्ट्री में अलग-अलग बैंक खातों से बाकी 6.75 करोड़ के लेनदेन का दावा भी इडी ने किया है, जिसकी निकासी गलत तरीके से हुई है। इस मामले की न्यायिक चल रही है और इसी मामले को लेकर के ईडी ने दिलीप घोष को गिरफ्तार किया था। इसकी रिजिस्ट्री का तारीख 7 करोड़ में खरीदा गया है। (शेष पेज 11 पर)

लिव इन पार्टनर के टुकड़े कर कुकर में उबाले, मिक्सी में पीसा

बर्बर गारदात ने सबको झाकझोरा

मुंबई। श्रद्धा वालकर हत्याकांड से भी भावनक एक बादात मुंबई में समाने आयी है। यहां मीरा रोड की उसके लिव-इन-पार्टनर मिक्सी से (56) ने हत्या कर दी। हत्या के बाद उबरे शेव के टुकड़े-टुकड़े कर कर दिये गये हैं। लिव इन पार्टनर की हत्या करने के लिए अंजीब तरीका अपना रखा है। वह उबरे को इडी कोर्ट के बाद उबरे शेव के टुकड़े-टुकड़े कर कर दिये गये हैं। लिव इन पार्टनर की हत्या करने के लिए अंजीब तरीका अपना रखा है। वह उबरे को इडी कोर्ट के बाद उबरे शेव के टुकड़े-टुकड़े कर कर दिये गये हैं। लिव इन पार्टनर की हत्या करने के लिए अंजीब तरीका अपना रखा है। वह उबरे को इडी कोर्ट के बाद उबरे शेव के टुकड़े-टुकड़े कर कर दिये गये हैं। लिव इन पार्टनर की हत्या करने के लिए अंजीब तरीका अपना रखा है। वह उबरे को इडी कोर्ट के बाद उबरे शेव के टुकड़े-टुकड़े कर कर दिये गये हैं। लिव इन पार्टनर की हत्या करने के लिए अंजीब तरीका अपना रखा है। वह उबरे को



जीवंत लोकतंत्र

पी एम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से ठीक पहले व्हाइट हाउस
के एक वरिष्ठ अधिकारी की वह टिप्पणी गौर करने लायक है, जिसमें
भारत को एक जीवंत लोकतंत्र बताया गया था। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति
भवन के इस अधिकारी जॉन किर्बी ने यहां तक कहा कि जिसको भारतीय
लोकतंत्र की साख पर विश्वास न हो वह दिल्ली धूमकर कथन की
प्रमाणिकता जान ले। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कारोबार को
अपनी तमाम नीतियों के केंद्र में रखने वाले अमेरिका के हर बयान के
गहरे निहितार्थ होते हैं। लोकतंत्र-लोकतंत्र के खेल के जरिये दुनिया की
तमाम सरकारों को बनाने और बिगड़ने के उपक्रम में वह दशकों तक
एक पक्ष रहा है। अमेरिका के बारे में अकसर कहा भी जाता है कि
अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म
हो जाती हैं। बहुत ज्यादा समय नहीं हुआ जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय
की धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत में अल्पसंख्यकों की दशा को लेकर
सवाल खड़े किये गये थे। अमेरिका की कई अन्य संस्थाएं भी गाहे-बगाहे
ऐसे सवाल खड़ी करती रही हैं। अमेरिका चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र
मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले माहौल बनाया जाये ताकि बड़े रक्षा
सौदों को अंतिम रूप देने में कोई पुरानी कसक बाधक न बने। आजादी का
का अमृतकाल मनाते देश में आजादी के बाद भले ही एक दल या कई
दलों की सरकारें बनी हों, वामपंथ या दक्षिणपंथ के स्झान की सरकारें
बनी हों, हर बार सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्वक ही हुआ है। आज भी
स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा बनाया गया संविधान हमारा मार्गदर्शक है। दुनिया
का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपनी जीवंतता से पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक
देशों का मार्गदर्शन कर रहा है। निश्चित तौर पर राजनीतिक का एक तबका
थोड़ा विचलन का शिकार है लेकिन लोकतंत्र आज भी जीवंत है।

ਸ਼ੋਧ ਔਰ ਸਂਖਾਨ

मार पास विश्वस्तरीय सोध का शिक्षण से जाड़ने के कुछ उदाहरण हैं। ऐजूडू हैं। बेंगलूरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान खासतौर पर अलग है। परंतु मुंबई स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नॉलॉजी जिसे उसके पुराने नाम यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नॉलॉजी अभ्यर्थी यूटीसीटी से अधिक जाना जाता है, वह सबसे उल्लेखनीय उदाहरण है। यूटीसीटी की स्थापना सन 1933 में की गई थी। संस्थान को अपने शोध पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही जरा इस बात पर भी विचार कीजिए कि उसने अपने पुराने विद्यार्थियों की मदद से क्या योगदान किया। पुराने विद्यार्थियों की सूची पर एक नजर ढालते हैं: मुकेश अंबानी (रिलायंस), अंजी रेड्डी (डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज), मधुकर पारेख (पिडिलाइट इंस्टीट्यूज), के के घार्दा (घार्दा केमिकल्स), अश्विन दानी (एश्विन पेंट्स), नीलेश गुप्ता (ल्युपिन), रमेश मारेलकर (एनसीएल के निदेशक और सीएसआईआर के डीजी), एन सेक्सरिया (अंबुजा सीमेंट्स) और एमएम शर्मा (जिन्होंने बाद में खुद यूटीसीटी का नेतृत्व किया और उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा स्थापित की)। सन 1800 के आरंभ में जब विलहेम वॉन हांबॉल्ड ने दुनिया के पहले शोध विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन के स्थापना सिद्धांत दिए तब से शोध विश्वविद्यालयों का लक्ष्य ज्ञान की तलाश करना रहा है। हमें यह बात इसमें शामिल करनी होगी कि ज्ञान खासतौर पर मानवता के काम तब आता है जब वह विश्वविद्यालय से बाहर छात्रों के मस्तिष्क में विराजमान होता है। यही कारण है कि उच्च शिक्षा में शोध किया जाना चाहिए। स्वायत्र प्रयोगशालाओं में शोध समाज को उसके प्राथमिक लाभ से वर्चित करता है। निश्चित तौर पर विश्व के विकास में शोध का ही महत्व है जिससे बड़े बड़े बदलाव हुए। भारत के लिये ऐसे शोध बहुत महत्व रखते हैं।

मन की माया

धर्म-प्रवाह

साध्वा मनाष

मन को माया
बढ़े दी अस्ति

मिलते हैं। यह इंसान को तरह तरह से भ्रमित करता है। उनमें से इसका एक नियम यह है कि जो भी चिज इसे मिल जाए उसे यह भूलने लगता है। लेकिन यह उसे जरूर याद करता है जो इससे दूर होती है और हर पल उसी के लिए रोता रहता है। मन कभी भी वर्तमान में नहीं रहता। यह सदैव या तो अतीत में जाता है या भविष्य की योजना बनाता है ताकि सत्ता की चाबी इसके हाथ रहे। मन इंसान को इतना व्यस्त रखता है कि वो स्वांस के बारे में चिंतन ही नहीं करने देता इसलिए हृदय में विराजमान परमानंद से दूरी रहती है। आज यदि एक इंसान के पास उसकी मेहनत

में ले जाकर कहना शुरू कर देता है कि और चाहिए। इस प्रकार इंसान सारा जीवन भागदौड़ करके मन के सपने पूरा करने का प्रयत्न करता है और जब सब कुछ ऐशो आराम के संसाधनों के साथ महल बंगला तैयार होता है तब वह ठीक ढंग से उसमें रहने भी नहीं पाता कि यह स्वांस उसका साथ छोड़ देता है। इसलिए सच्चे गुरु से जितना दूरी रहे उतना ही अच्छा है क्योंकि मन दूरी में सदैव दिलचस्पी लेता है। अगर आपने अभ्यास से अपने मन को नहीं साधा हो और ऐसी गुरु कृपा हो जाए कि सच्चे गुरु के बहुत नजदीक रहने का सौभाग्य मिल जाए।

कॉटन वर्ल्ड

युद्ध का परिणाम



लेटर टू एडिटर

डॉकघर में हो रजिस्ट्री
पलामू जिला अधिकारी संघ ने
डाक अधीक्षक पलामू से पैलिखकर
कचहरी डाकघर से रजिस्ट्री कार्य
बंद रहने के कारण हो रहे
परेशानियों से अवगत कराया है।
पोस्ट ऑफिस से डाक रजिस्ट्री बंद
रहने के कारण लोगों को काफी
परेशानी झेलना पड़ रहा है।
न्यायालय से संबंधित भी रजिस्ट्री
कार्य समय पर नहीं हो पा रहा है।

विस्तार मिले। एकमात्र ऐसी भाषा देश को एक सत्र में नम कर सकती है। विश्व के शक्तिशाली बनायकरता है। हिंदी को सभी देशों में अपनाया जाएगा। इसके अलावा एवं संस्कृति के अनुसंधान, ज्ञान-चार, प्रौद्योगिकी तथा जीव जोड़े की आवश्यकता उत्पन्न हो जाएगी। देश में हिंदी को लेवर तक पहुँचायक आग्रह बना हुआ है। -शमशेर शर्मा, जम

सुधांशु कुमार

नोकरिया और व्यवसाय गंवाले सभी तबके के लोग इमुश्किल को झेल रहे हैं। लेकिन उत्तरी दिल्ली नगर निगम के तहाँ आने वाले बाड़ा हिंदुराव अस्पताल में वेतन पर निर्भर डॉक्टरों और अस्पताल के अन्य चिकित्सक कर्मचारियों की समस्या भी इसलिए लगातार गंभीर होती गई है, क्योंकि उन्हें पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है। बाजार की हालत बेलगाम महंगाई, बढ़ते खर्च व बीच अगर तीन महीनों से किसी वेतन नहीं मिल रहा हो तो उसकी स्थिति समझी जा सकती है।

शायद यही वजह है कि मजबूरन अस्पताल के स

आखर चाकत्सा क्षत्र का उपक्षा क्या?

 सामरप्रणाली

रजाडिट डॉक्टर पिछल कराब तइस दिनों से हड़ताल पर है। विडंबना यह है कि अस्पताल प्रशासन की नजर में शायद डॉक्टरों की मांग की अहमियत बहुत ज्यादा नहीं है और वह इस पर टालमटोल का रखेया अस्थियार किए हुए है। इस अनदेखी के बीच अब ईंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आईएमए ने भी खुल कर डॉक्टरों की हड़ताल की समर्थन किया है। इस मसले पर आईएमए ने यहां तक कहा दिया कि जिस तरह से शासन हो रहा है, उसमें कुछ गढ़बड़ है और यह शासन का नया निचला स्तर है, स्वास्थ्यकर्मी और खासतौर पर डॉक्टर राष्ट्रीय संपदा हैं और वेतन रोक कर उनका अपमान करना और कुछ नहीं, बल्कि राज्य

प्रायोजित हिंसा है !
अंदंजा लगाया जा सकता है
कि इस मसले पर डॉक्टरों की
नाराजगी का आलम क्या है ! यह
स्थिति तब है जब सुप्रीम कोर्ट भी
कह चुका है कि डॉक्टरों और
स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन समय पर
दिया जाए। सवाल है कि इसके
बावजूद अस्पताल प्रशासन का
रुख ऐसा क्यों बना हुआ है !
लगातार अभाव और जोखिम के
बीच काम कर रहे डॉक्टरों पर
इसका क्या असर पड़ेगा ?
जब शुरूआती दिनों में कोरोना
के संक्रमण से बचाव के लिए
समूचे देश में पूर्णबंदी लागू हुई थी
तब देश की सरकार के आहान पर

समूचे देश में डॉक्टरों का नाम ने अलग-अलग तरीकों से जाहिर किया था। इसके साथ ही सरकार ने डॉक्टरों की मद्देनजर एक विशेष ठंडी की। लेकिन ऐसी पहलवानी बजाय जमीनी हकीकी उतनी ही सुखद नहीं है ताकि तरह देखा जाएगा! इसमें नहीं है कि देश 3 संवेदनशील दौर से गुज़र इसमें कोरोना के संक्रमण परिस्थिति ही सबसे बड़ी है। इस चुनौती का सामना तरह डॉक्टर और स्वास्थ्य के भरोसे पर निर्भर हैं। उनका दायित्व भी बड़ा। अगर उनकी अनिवार्य जरूरतों की उपेक्षा कर

प्रति लागा
से सम्मान
क्सके बाद
सुरक्षा के
यवस्था भी
कदमियों के
क्रत अगर
गो इसे किस
कोई शक
भी जिस
नर रहा है,
ग से उपजी
चुनौती है।
करना पूरी
स्थर्कर्मियों
है, इसलिए
है। लेकिन
र्थ अर्थिक
गी जाए तो

उनके मनाबल का कब तक
रखा जा सकता है!

देश में पहले ही आबादी
जरूरत के मुताबिक डॉक्टरों
भारी कमी है। डॉक्टरों के बीच
एक बड़ा तबका निजी क्षेत्र में
जाता है। ऐसे में न
सुविधाओं, सांसाधनों और व
जूसी महामारी के जोखिम के
अगर डॉक्टर अपनी सेवा दे
तैयार हैं तो अस्पताल प्रशासन
भी डॉक्टरों की मांगों पर गं
से विचार करना चाहिए। हर
में सरकारी हॉस्पिटल सह चि
क्कॉलेज की नीति बनाकर
करना चाहिए। इसमें
भागीदारी भी सुनिश्चित हो तो
अन्यथा इस कल्याणकारी का
करना ही होगा।

बनाए
और
रों की
त्रोच से
चला
यूनतम
गोरोना
बीच
ने को
न को
भीरता
जिले
केत्सा
काम
निजी
सही
र्य को

मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौदी, बोडेया रोड, रांची
(झारखण्ड) से मुक्ति एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 94313-55233
पिन: -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JAHAIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों
के चयन के लिए उत्तरदायी।
प्रकाशित खबरों से संबंधित
किसी भी विवाद का निपटारा
रांची न्यायालय में ही होगा।

होटल से लेकर एयरोस्पेस तक फैला है माही का कारोबार !



हजार करोड़ है धोनी की नेटवर्थ

लगभग 10 से भी अधिक बिजनेस और स्टार्टअप में निवेश करने वाले धोनी की कुल नेटवर्थ 1030 करोड़ के करीब है। धोनी मौजूदा समय में चेन्नई सुपर किंग्स के सदस्य हैं। इस प्रेंचाइजी से उन्हें अभी सालाना 12 करोड़ की रकम मिलती है। इसके अलावा एंडोर्समेंट और प्राइज मनी अलग है। वहीं धोनी एक टीवी एड के लिए 3.5 करोड़ से 6 करोड़ तक चार्ज करते हैं। वहीं सब मिलाकर कुल 54 अलग-अलग कंपनियों की एड करते हैं। धोनी ने साल 2011



में उत्तराखण्ड में एक शानदार घर भी खरीदा था जिसकी कीमत करीब 18 करोड़ है। वहीं उनके पास कई स्पोर्ट्स कार और शानदार बाइक की कलेक्शन है। वहीं कारण है, वह नेटवर्थ के मामले में कई भारतीय क्रिकेटरों से काफी आगे है।

शुरू में धोनी अपनी फूटबाल टीम के गोलकोर प्लेयर थे और अपने कोच की सलाह पर वे क्रिकेट में आ गए। अपनी शानदार विकेटकीपिंग के जायिे उन्हें एक लोकल क्रिकेट ललव (कमांडो क्रिकेट ललव) में खेलने का मौका मिला वह 1995 से लेकि 1998 तक खेलते रहे। वीनू मांकड़ अंडर 16 चैंपियनशिप में उन्होंने शानदार खेल दिखाया। उनकी बैटिंग और विकेटकीपिंग दिन भर दिन बेहतर होता जा रहा था जल्द ही वे बिहार राजनीति टीम का हस्ता थे।

2001 में उन्होंने पश्चिम बंगाल के खड़गपुर रेलवे स्टेनेज पर टिकेट कलेक्टर की सकारी नौकरी की हालांकि उनका असली सपना क्रिकेट में जाना ही था। उन्हें सबसे बड़ी कामयाबी तब मिली जब 2003 में उन्हें कठुकअ अ टीम में चुन लिया गया और वो क्रिकेटीय सीरीज खेलने के लिया गया। जहाँ पासिक्तान की टीम भी आई थी। इस सीरीज में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। घरेलु क्रिकेट में भी वे शानदार प्रदर्शन करते रहे जिसके चलते 2004/05 में उन्हें बांग्लादेश जाने वाले टीम में शामिल कर लिया गया। अपने पहले ही मैच में वे दुर्भाग्य से शून्य पर सनअटर हो गए। सिंह धोनी की पिता का नाम पाण सिंह जो अल्मोड़ा जिले के तलाशलाली गांव में रहते थे।

उनका गांव अल्मोड़ा की सुंदर पहाड़ियों में बसा हुआ था जहाँ तक जाने के लिए कोई सड़क नहीं है। धोनी कारनी थी और इसके लिए केवल दुर्गम पहाड़ियों से ही पैदल जाया जा सकता था। पान सिंह के माता-पिता खेती करते रहे लेकिन उन्होंने पान सिंह को पढ़ाया। पान सिंह थोड़े बहुत पढ़े होने के कारण नौकरी की तलाश में लखनऊ चले गये। उनके बाद कुछ समय बिहार रहकर रांची आ गये। शुरूवाती दिनों में उन्हें दिहाड़ी मजदूरी करनी पड़ी थी लेकिन बाद में पदोन्नति हो गयी। पान सिंह का विवाह नैनीताल में हुने वाली देवी देवी देवी का जन्म 1969 में हुआ था।

महेंद्र सिंह धोनी का जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

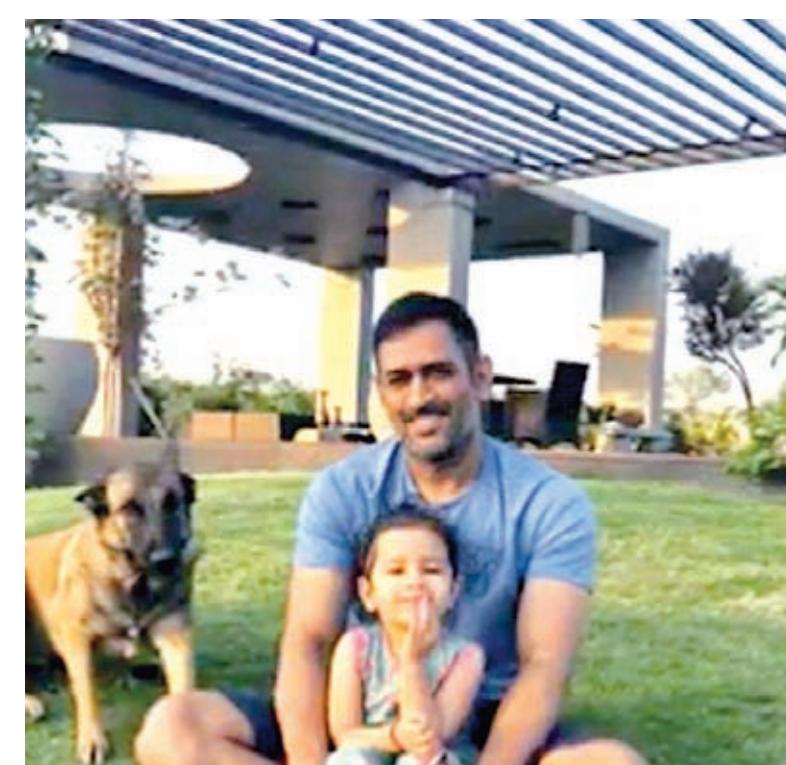
महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

महेंद्र सिंह धोनी को जन्म 7 जुलाई 1981 को हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के एक बड़ा भाई नरेंद्र और एक छोटी बहन जयरत्नी है। पहली बार कप्तानी करते हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब रहे। जिसके द्वारा इनमें के तौर पर बीसीआई ने उन्हें एक बड़ी बात दी।

क्रिकेट सिंह की विशेष रिपोर्ट



चॉकलेट ब्रांड को भी लॉन्च किया है। यह ब्रांड उनके हेलीकॉप्टर शॉट से प्रेरित है।

धोनी की फिटनेस कंपनी

धोनी की पहचान दुनियाभर में एक फिट क्रिकेटर के तौर पर ही है। यही कारण है उन्होंने फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए एक चेन की शुरूआत की जिसका नाम धोनी स्पोर्ट्सफिट भी है। देश भर कुल 200 से भी अधिक फिटनेस चेन खुला हुआ है।

हॉकी टीम के मालिक हैं धोनी

धोनी के सभी फैन को पता है कि वह क्रिकेट से पहले फूटबॉल में गोलकोर्पिंग करते थे। क्रिकेट के लिए धोनी भी उन्हें अच्य बांकी खेलों में भी खुब रुची रही है। यही कारण है कि उन्होंने हॉकी और फूटबॉल की टीम में अपना निवेश किया है। धोनी इंडियन सुपर लीग के चेन्नईयन एफीसी में फूटबॉल टीम के मालिक हैं। सिर्फ इतना ही नहीं वह हॉकी टीम के सह-मालिक भी है।

धोनी का इंटरन



वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप : टीम इंडिया की हालत पतली, टाप आर्डर फेल दो दिन के खेल के बाद ऑस्ट्रेलिया की मुद्दी में मैच

एजेंटी

लंदन। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में टीम इंडिया की हालत पतली नजर आ रही है। टीम इंडिया का टाप आर्डर एक बार फिर कुछ नहीं कर सका। रोहित ने कुछ नहीं कर सका। शमा-15, गिल-13, पुजारा 14 और कोहली-14 18 रन बना कर आउट हो गये। दो दिन के खेल के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 318 रन पांछे है और उसके पांच विकेट भी गिर चुके हैं। भारत पर फिर हार का खतरा मंडराने लगा है। ऐच एक तरह से ऑस्ट्रेलिया की मुद्दी में है। ऑस्ट्रेलिया के विशाल स्कोर के सामने आधी भारतीय टीम पवेलियन लौट चुकी है। पहले दिन के नाबाद बैटर स्टीव स्मिथ (121 रन, 268 गेंद, 19 फोर) ने दूसरे दिन तेजी से अपना शतक पूरा किया, जबकि ट्रेनिंग हेड डेंड सौ (163 रन, 174 गेंद, 25 फोर, 1 सिक्स) के पार पहुंचे। राहत की बात रही कि ये दोनों दूसरे दिन मैराथन पारी नहीं खेल सके। बावजूद इसके ऑस्ट्रेलियाई टीम 469 तक पहुंचने में सफल रही। जवाब में



151 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। अंजिंवर्य रहाणे 29 रन

मियू काटो, टिम पुएट्ज ने मिश्रित युगल खिताब जीता



एजेंटी

पेरिस। जापान की मियू काटो और जमीनी के टिम पुएट्ज ने युगल को फाइनल में वियांका एंड्रेस्कू और माइकल वीनां को 4-6, 6-4, 10-6 से हराकर फ्रेंच ओपन का मिश्रित युगल खिताब जीत लिया।

फ्रेंच ओपन काटो का पहला ब्रैंड स्लैम खिताब है और 28 वर्षीय उनके समर्थन के हाइडिंग सर्फेस के लिए एक

भावनात्मक क्षण है, जिन्हे तीसरे दौर के मैच में गलती से बॉल गले को गेंद मारने के बाद महिला युगल प्रतियोगिता से अंगूष्ठ घोषित कर दिया गया था।

काटो ने डब्ल्यूटीप के हवाले से कहा, पिछले कुछ दिनों से यह मेरे लिए वास्तव में चुनौतीपूर्ण रहा है। मैं खिलाड़ियों, कोचों, सभी को उनके समर्थन के हाइडिंग सर्फेस के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।



के रक्षकों ने जानबूझकर फॉउल किया जिससे भारत को पेनल्टी

चीनी ताइपे को 11-0 से रौंदकर भारत सेमीफाइनल में



एजेंटी

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हाँकी टीम ने युगल को यहां अपने आखिरी पूर्व मैच में चीनी ताइपे को 11-0 से रौंदकर युग्मी जूनियर एशिया कप 2023 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर दिया।

इस जीत ने पूल ए में भारत की स्थिति को भी मजबूत किया। भारत ने ट्रॉनमेंट के पूल चरण को नाबाद समाप्त किया, जिसमें तीन गेंद जीते और एक झँड़ा।

भारत के लिए वैष्णवी विठ्ठल फाल्के (1), दीपिका (3), अनु (10, 52), रुतुजा दादासी पिसल (12), नीलम (19), मंजू चौरसिया (33), सुनलिता टोपो (43, 57), दीपिका सोरेंग (46) और मुष्टाज खान (55) ने गोल किये।

भारत ने शुरू से ही अपना

सेवल (12) ने पहले क्वार्टर की समाप्ति से पहले एक-एक गोल किया, जिससे भारत को 4-0 की आरामदायक बढ़त मिली।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर कब्जे और लगातार हमलों के जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए। वैष्णवी विठ्ठल फाल्के (1), दीपिका (3), अनु (10) और रुतुजा दादासी

पिसल (12) ने पहले क्वार्टर की समाप्ति से पहले एक-एक गोल किया, जिससे भारत ने गेंद पर कब्जे और लगातार हमलों के जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए। वैष्णवी विठ्ठल फाल्के (1), दीपिका (3), अनु (10) और रुतुजा दादासी

पिसल (12) ने पहले क्वार्टर की

समाप्ति से पहले एक-एक गोल

किया, जिससे भारत को 4-0 की

आरामदायक बढ़त मिली।

उसके बाद दीपिका (3) ने पेनल्टी

कार्नर की गोल में बदलकर टीम की

बढ़त को दोपहर कर दिया।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर कब्जे और लगातार हमलों के जरिए खेल

पर नियंत्रण बनाए रखा। वैष्णवी

विठ्ठल फाल्के (1), दीपिका (3), अनु (10) और रुतुजा दादासी

पिसल (12) ने पहले क्वार्टर की

समाप्ति से पहले एक-एक गोल

किया, जिससे भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के

जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए।

दूसरा क्वार्टर इसी तरह से जारी रहा, जिसमें भारत ने गेंद पर

कब्जे और लगातार हमलों के



बंगल ने पंचायत
चुनाव 8 जुलाई को

कोलकाता। पश्चिम बंगल में निरतरीय पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजीव सिंहा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ग्राम सभाओं के लिए चुनाव एक ही दिन में होंगे और नामांकन दाखिल करने की अधिकारी तारीख 15 जून होगी। सिंहा ने बताया कि पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होंगे।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 जून है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 20 जून है।

मतों की गिनती 11 जुलाई को होगी। निरतरीय पंचायती राज प्रणाली में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद शामिल हैं।

इंडोनेशिया में 6.0

तीव्रता का भूकंप

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत पूर्वी जावा में गुरुवार तड़के भूकंप के तेज़ झटके महसूस किए गए। रिक्टर रैकेल पर इसकी तीव्रता 6.0 डर्ज की गई। यह जानकारी इंडोनेशिया और स्थानीय जलवाया विज्ञान और भू-भौतिकी एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा इसके घबराने की कोई वात नहीं है। साथ ही सुनामी की भी खतरा भी नहीं है। स्थानीय समयानुसार भूकंप सुबह चार बजे आया। इसका केंद्र पैकेटान जिले से 117 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और सुबह तल के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई में।

भारतीय गूल की प्रोफेसर जोड़ा होंगी सम्मानित

लंदन। भारतीय गूल की प्रोफेसर जोड़ा गुप्ता उन दो वैज्ञानिकों में शामिल हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित स्प्रिन्जर पुरुषकार के लिए नामित रिस्पोन्जर दिया गया है। इस पुरुषकार को डब्ल्यू नोबेल पुरुषकार के नाम से भी जाना जाता है। नीदरलैंड अनुसंधान परिषद ने दुधवार को इन पुरुषकारों की घोषणा की। जोड़ा गुप्ता एस्टर्डम विश्वविद्यालय में सतत और पर्यावरण के लिए विद्यार्थी की संकाय प्राधारणक में है। उन्हें अपने उत्कृष्ट, अग्रणी और प्रेरक वैज्ञानिक कार्य के लिए पुरुषकार देने की घोषणा की गई है। अपने शोध में वह न्यायांगूण और स्थानीय दुनिया पर ध्यान केंद्रित करती है।

नाहिला से दुष्कर्म करने वाला बाबा गिरफ्तार

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में 'बाबा' होने का बाबा करने वाले एक व्यक्ति को इलाज करने आई एक महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गुरुवार को गिरफ्तार कर दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीआई) गुरुवार नाहद ने बताया कि आरोपी की पहचान जिले के दरियापुर इलाके के कुक्सा गांव के सतोंग बावने के रूप में हुई है।

पाक ने जीडीपी वृद्धि दर 0.29 प्रतिशत

इस्लामाबाद। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मुश्किल दौर से गुरुर रही है। वित वर्ष 2022-23 में पाकिस्तान की अर्थिक वृद्धि दर सिर्फ 0.29 प्रतिशत रहने और मुद्रास्फीति के लाभगत 29 प्रतिशत पहुंच जाने का अनुमान सरकार ने जताया है। पाकिस्तान के वित वर्ष 2022-23 का अर्थिक सर्वेक्षण पेश करते हुए यह संभवना जताई। इस सर्वेक्षण में 30 जून को खत्म हो रहे वित वर्ष में राजनीतिक अस्थिरता और अभूतपूर्व बढ़ा के बीच सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा पेश किया गया है।

अफगानिस्तान ने सड़क दुर्घटना ने 24 की जौत

सरी पुल। अफगानिस्तान में उत्तरी सरी पुल प्रांत के सायद जिले में बुधवार की शाम मिनी बस के खड़े में पिर जाने से 24 यात्रियों की मौत हो गयी। प्रांतीय पुलिस प्रकरा दिन मोहम्मद नजरी ने गुरुवार कोवार्ड्या को लापरवाही से बाहर चलने के कारण घटित दुर्घटना में 24 लोग अपनी जान गंवा बैठे।

चीन ने ताइवान में की घुसपैठ, छह घंटे में घुसे 37 लड़ाकू विमान

एजेंसी

ताइपे। ताइवान को लेकर चीन का जबर्दस्ती बाला रुख एक बार पिर समाने आया है। दोनों दोस्तों के बीच चल रहे तानाव के बीच चालना में घुसपैठ की है। चीन और ताइवान के बीच तानाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। चीन का लावा है कि स्वशासित ताइवान उसका इताका है और जरूरत पड़ने पर चीन वहाँ एक दिन में काबिज हो जाएगा।

कछलंबी दूरी के टोटी प्रशिक्षण विमान पश्चिमी प्रशांत की ओर बढ़ गये और वर्षी रहे : ताइवान

किया है। चीन और ताइवान के चल रहे तानाव के बीच चालना में घुसपैठ की है। चीन और ताइवान के बीच तानाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। चीन का लावा है कि स्वशासित ताइवान उसका इताका है और जरूरत पड़ने पर चीन वहाँ एक दिन में काबिज हो जाएगा।

चीनी सेना की घुसपैठ भी तेजी से बढ़ रही है। चीन ने ताइवान के बायु रक्षा क्षेत्र के तौर पर चिह्नित इताके के बायु सौरक्षा के तौर पर चिह्नित की है, जो पिछले कुछ वर्षों की तुलना में दोगुनी से अधिक हो चुकी है। गुरुवार को सुबह पांच बजे से 11 बजे के बीच चीन के एक साथ कई बार ताइवान के बायु रक्षा क्षेत्र में घुसपैठ की। ताइवान के बायु रक्षा भेजे तो भी ताइवान के बायु रक्षा क्षेत्र में घुसपैठ की। चीनी सेना की घुसपैठ भी तेजी से बढ़ रही है।

ताइवान के बायु रक्षा क्षेत्र में 37 चीनी लड़ाकू विमानों ने प्रवेश किया है। ताइवान के रक्षा मंत्री के प्रवक्ता ने लानी ली लड़ाकू विमानों ने ताइवान के बायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया था, किन्तु गुरुवार को हुई घुसपैठ बहुत जल्दी हुई। ताइवान की सेना इस पर पैरीनी मिलाव बाहर हुए है। इसके जावाब में गश्ती विमान, नौसैनिक जहाज व भूमि आधारित मिसाइल प्रणालियों को भेजा गया है।



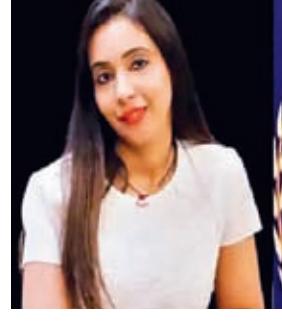
ममता बनर्जी के भतीजे की पत्नी से इडी ने की पूछताछ

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगल के चर्चित कोयला तस्करी मामले में बुध्नी दूरी के बाहर सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। सुरों ने बताया है कि रूलीजा के पहुंचने के बाद अधिकारी उन्हें अंदर ले गए थे और कई सवालों का जवाब दिया। 12:30 बजे के कोरिय वहाँ से पहले उन्होंने सारी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की थीं और बुध्नी के लिए हाजिर हुए थे। उन्होंने सारी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की थीं और बुध्नी के लिए हाजिर हुए थे।

बंगल के चर्चित कोयला तस्करी मामले में लाजिया की बढ़ी गुटिकलें

बुध्नी दूरी है। उल्लेखनीय है कि गत सोमवार को अपने दो बच्चों को साथ लेकर रूलीजा दुर्बल जा रही थीं लेकिन इंडी के नौटिस को आधार बनाकर इसीप्रेशन डिपार्टमेंट ने उन्हें रोक लिया था। उसके बाद एपरेंट ने उन्हें नौटिस देकर उन्होंने सारी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की थीं और बुध्नी को पूछताछ के लिए हाजिर हुए थे।



दुनिया में भारत का बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का परीक्षण सफल

एजेंसी

देश को वैशिक प्रशिक्षण बनाने को समर्पित हो गए

प्रशिक्षण विमानों ने लैटर दिया



बुध्ने टेक दिए थे, बर्ही भारत ने बुध्नी दूरी के बाहर सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। सुरों ने बताया है कि रूलीजा के पहुंचने के बाद अधिकारी उन्हें अंदर ले गए थे और कई सवालों का जवाब दिया है। वह दुर्बल चुकी है और उन्होंने कुछ नहीं बताया। उन्होंने सारी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की थीं और बुध्नी को पूछताछ के लिए हाजिर हुए थे।

सभी मानकों पर खरी उत्तरी मिसाइल



उन्होंने बताया कि अलग-अलग जागहों पर खींचित रही नापाने वाले उत्तरवारण, जैसे कि रागडार, टेलेमेट्री और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल टैक्निक्स से अग्नि प्राइम के उपलब्ध करवाई। इतना ही नहीं बल्कि दो-दो स्वर्द्धे से सफल परीक्षण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अलग-अलग जागहों पर खींचित रही नापाने वाले उत्तरवारण, जैसे कि रागडार, टेलेमेट्री और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल टैक्निक्स से सफल समाप्ति किया और इस दौरान, यह मिसाइल सभी मानकों पर खींची गयी। अग्नि प्राइम के बायु रक्षा को परीक्षण के बाद यह मिसाइल को संस्थान समाप्त किया गया। उन्होंने बताया कि अग्नि प्राइम के उपलब्ध करवाई के बाद यह मिसाइल को संस्थान समाप्त किया गया। इस दौरान यह मिसाइल को संस्थान समाप्त किया गया। उन्होंने बताया कि अग्नि प्राइम के उपलब्ध करवाई के बाद यह मिसाइल को संस्थान समाप्त किया गया। इस दौरान यह मिसाइल को संस्थान समाप्त किया गया। उन्होंने बताया कि अग्नि प्राइम के उपलब्ध करवाई के बाद यह मिसाइल को संस्थान समाप्त किया गया। इस दौरान यह मिसाइल को संस्थान समाप्त किया गया। उन्होंने बताया कि अग्नि प्राइम के उपलब्ध करवाई के बाद यह मिसाइल को संस्थ